# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

नेक्स्ट पोस्ट परिवार की ओर से खुशियों का त्यौहार होली की हार्दिक शुभमकानएं


3 घर में बन रहा था खाना...

5 यूपी में SIR के दौरान वोटर लिस्ट से कटे 138362 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम

8 सुजीत कलकल ने बढ़ाया भारत का मान



UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 36 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 02 मार्च, 2026

पुलिस जेल में ले जाकर जहर की सुई भी लगा सकती है : अविमुक्तेश्वरानंद

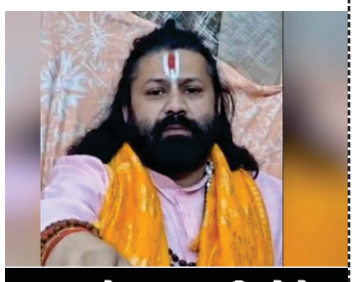

आशुतोष ब्रह्मचारी बोले- पेन ड्राइव में सभी सबूत कैमरों में हरकतें कैद

यूपी में होली की 3 दिन की छुट्टी घोषित

'जजों पर संदेह मत कीजिए' पश्चिम बंगाल SIR विवाद पर SC की सख्त टिप्पणी

सीएम योगी के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक साल बढ़ा

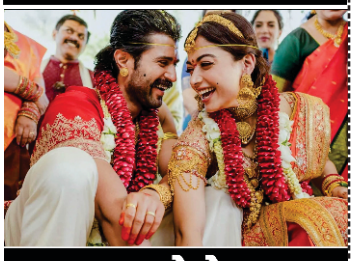

एक-दूजे के हुए विजय-रश्मिका,

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत की पुष्टि ईरानी मीडिया ने की है, जो अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के बाद ईरान सरकार ने 40 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खामेनेई को इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक बताया।

ईरानी न्यूज एजेंसियों ने की पुष्टि–

# मारे गए खामेनेई

ईरान में 40 दिन के शोक का एलान

**दिल्ली,एजेंसी।** ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत की आधिकारिक पुष्टि ईरानी राज्य मीडिया ने की है। यह घटना शनिवार को हुई, जब अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में 86 वर्षीय खामेनेई की जान चली गई। इस हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खामेनेई की मौत की पुष्टि करते हुए इसे ईरान के लोगों के लिए सबसे बड़ी संभावना बताया और कहा कि अब ईरान अपने देश को पुनः प्राप्त कर सकता है। ईरानी राज्य टीवी और राज्य–निर्मित समाचार एजेंसी **IRN**। ने खामेनेई की मौत का कारण स्पष्ट नहीं किया, लेकिन इस हमले ने ईरान के इस्लामिक गणराज्य के भविष्य पर सवाल उठा दिए हैं और यह क्षेत्रीय अस्थिरता का कारण बन सकता है। खामेनेई की मौत के बाद, ईरान ने पलटवार करते हुए हमले की चेतावनी दी है। ईरान के सरकारी मीडिया का कहना है कि सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की बेटी, पोते, बहू और दामाद इस्राइल–अमेरिकी हमलों में मारे गए।

## खामेनेई की मौत न्याय है– अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा ष्खामेनेई, जो इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक था, अब मृत है। ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निष्क्रिय करने के लिए जारी हमले को सही ठहराया और यह भी चेतावनी दी कि हमले सप्ताह भर जारी रहेंगे।

## कौन थे अयातुल्ला अली खामेनेई

86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई एक धर्मगुरु थे, जो 1989 से ईरान के सुप्रीम लीडर (सर्वोच्च नेता) के पद पर काबिज थे। उन्होंने ईरान के इस्लामी गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद यह पद संभाला था। खुमैनी ने ही 1979 की इस्लामी क्रांति का नेतृत्व किया था, जिसमें अमेरिका समर्थित शाह को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। मौजूदा वक्त तक खामेनेई देश के आध्यात्मिक नेता होने के साथ–साथ सरकार, सेना और न्यायपालिका की अंतिम और सर्वोच्च शक्ति अपने पास रखते थे।

## खामेनेई की मौत पर ईरानी नागरिकों में जश्न का माहौल

अमेरिका द्वारा ईरानी सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत का दावा किए जाने के बाद ईरान के विभिन्न हिस्सों में जश्न की खबरें आईं। खामेनेई की मौत ने पूरे देश में राहत और खुशी की लहर दौड़ा दी है और बहुत से ईरानियों ने इसे एक नई शुरुआत का संकेत माना है।

ईरानी एक्टिविस्ट और पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें ईरान में लोगों को जश्न मनाते हुए दिखाया गया। उन्होंने लिखा, ष्क्या मैं सपना देख रहा हूं? हैलो, नया दुनिया। एक और पोस्ट में उन्होंने भावुक होते हुए कहा ष्हर सुबह मैं पढ़ता हूं कि मेरे लोग अली खामेनेई द्वारा मारे जा रहे हैं, लेकिन आज की सुबह मुझे जो खबर मिली, वह मेरे जीवन की सबसे अच्छी खबर है। मैं बस दौड़ना चाहती हूं और खुशी से चिल्लाना चाहती हूं।

## अमेरिका–इस्राइल के हमलेरू महीनों से चल रही बढ़ती तनाव की परिणति

अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में इस्राइल ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर और रक्षा मंत्री को मारने का दावा किया, जबकि ट्रंप ने कहा कि यह ष्ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बाधित करने के लिए आवश्यकष्था। ईरान ने इन हमलों का जवाब देते हुए मिसाइलें और ड्रोन इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दागे। ट्रंप प्रशासन ने पिछले कुछ महीनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बाधित करने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य बल की तैनाती की थी। हालांकि, ईरान ने अपनी परमाणु क्षमता को फिर से मजबूत किया था और रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के पास उच्च गुणवत्ता वाले सेंट्रीफ्यूज बनाने की क्षमता विकसित हो चुकी थी, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हैं।

## ईरान ने की राष्ट्रपति ट्रंप को मारने की कोशिश

वर्ल्ड डेस्क। अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने यूएन में कहा कि ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की कोशिश की और अमेरिका ने ईरान पर हमले वैध तरीके से किए। उन्होंने वैश्विक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमलों का बचाव किया। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हवाई हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की मौत हो गई है। कल तड़के सुबह इस्राइल ने ईरान के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। ये हमले ईरान के मिलिट्री बेस, एयरफील्ड और सरकारी स्थानों को निशाना बनाकर किए गए। आज भी ईरान में हमलों का दौर जारी है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र (न्छ) में अमेरिका ने बड़ा दावा किया। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरानी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे और प्रॉक्सी के माध्यम से मारने की कोशिश की।

## सम्पादकीय

# गठबंधन को लेकर बेपरवाह कांग्रेस

***आइएनडीआइए में दरारें, कांग्रेस की दिशाहीनता उजागर हुई।***
***राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल, दलबदल की चिंता।***
***क्षेत्रीय नेताओं को नेतृत्व सौंपने का सुझाव दिया गया।***

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर की टिप्पणियों से विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए की दरारें उजागर हुई ही थीं कि एआइ सम्मेलन में युवा कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन से कांग्रेस की दिशाहीनता भी बेनकाब हो गई। लगता नहीं कि कांग्रेस को देश या विपक्षी एकता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का कोई अहसास है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की लगातार तीसरी निराशाजनक हार के बावजूद अन्य विपक्षी दलों ने राहुल को नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार कर उदारता ही दिखाई, लेकिन कांग्रेस ने कभी अन्य दलों को संसद के अंदर या बाहर साथ लेकर चलने की परिपक्वता नहीं दिखाई। राहुल गांधी अपेक्षा करते हैं कि वे जो भी रणनीति तय कर लें, संसद के अंदर–बाहर अन्य दलों को उनका श्रद्धापूर्वक अनुसरण करना चाहिए। भाजपा को हराने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से लगभग एक साल पहले दो दर्जन विपक्षी दलों को जोड़कर आइएनडीआइए बनाया गया था। दो बार पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा का 240 सीटों पर ठहरने को इस मोर्चे की एक सफलता के रूप में देखा गया, लेकिन लोकसभा चुनाव बाद गठबंधन के पक्ष में कुछ खास घटित होता नहीं दिख रहा। उनके बीच लगातार उजागर दरारें बताती हैं कि दलों में दोस्ती के बावजूद दिलों में दूरियां बरकरार हैं।

सफलताओं की बात करें तो झारखंड और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत तो हासिल हुई, लेकिन वहां कांग्रेस हाशिए पर ही है। महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में उसके हिस्से हार ही आई। इसमें महाराष्ट्र और बिहार की हार को शर्मनाक कहना कहीं अधिक उचित होगा। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में तो गठबंधन की गांठें पूरी तरह बिखरती दिखीं। इस साल चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, पर गठबंधन के तौर पर आइएनडीआइए में सक्रियता तो दूर, कहीं कोई सुगबुगाहट भी नहीं। एसआइआर पर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ही चुनाव आयोग से दो–दो हाथ करती नजर आती हैं। तमिलनाडु में भी चुनाव आयोग से लेकर भाजपा तक के विरुद्ध मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक ही मोर्चा खोले है। बंगाल में ममता एकला चलो की राह पर हैं। पिछली बार वाम मोर्चा के साथ गठबंधन करने वाली कांग्रेस इस बार अकेले चुनावी जोर आजमाइश के मूड में है। केरल में तो मुख्य चुनावी मुकाबला सत्तारूढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेसनीत यूडीएफ के बीच ही होता है। इसलिए राज्य की राजनीति में तो परस्पर समन्वय की गुंजाइश नहीं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर एक ही गठबंधन के सदस्य होने के नाते तमाम राजनीतिक मुद्दों पर तो आइएनडीआइए को एक सुर में बोलना चाहिए। तमिलनाडु में द्रमुक और कांग्रेस के बीच पुराना गठबंधन है, लेकिन वहां भी दरारें इस हद तक हैं कि मणिक्कम टैगोर और प्रवीण चक्रवर्ती सरीखे कांग्रेस के दूसरी पंक्ति के नेता द्रमुक पर निशाना साध रहे। नतीजतन द्रमुक को उनके विरुद्ध कार्रवाई की मांग करनी पड़ी। तमाम अटकलों के बाद अब द्रमुक–कांग्रेस में सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव तो 2027 में होने हैं, लेकिन वहां जारी एसआइआर को लेकर कांग्रेस की अनुपस्थिति उसके समाजवादी पार्टी से रिश्तों में खिंचाव का भी संकेत है। सामना' के संपादकीय 'अंदर की आवाजों का कन्फ्यूजन' में कांग्रेस से सवाल पूछा गया है–ममता, स्टालिन या कोई और? संपादकीय में गठबंधन को जागने और कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बातचीत करने की नसीहत देते हुए मणिशंकर अय्यर, संजय बारू और भूपेन बोरा आदि की टिप्पणियों को अंदर की आवाजों का कन्फ्यूजन करार दिया गया है। बारू ने आइएनडीआइए का नेतृत्व ममता बनर्जी को देने का सुझाव दिया है तो अरसे तक नेहरू–गांधी परिवार के करीबी समझे गए अय्यर की टिप्पणियां राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल के रूप में देखी जा रही हैं।

# पुलिस के बीच दिल्ली-हिमाचल

**दिल्ली से वाकई शिमला दूर है और शिमला से रोहड़ू भी नजदीक नहीं है, इसलिए चौकसी में मशहूर हिमाचल पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए केंद्र की पुलिस में मुजरिम खोजने का नाका लगा दिया। लोगों की नींद इसलिए तो कभी हराम नहीं होती कि कौन सोलर लाइट की बैटरी चुरा रहा है या स्मार्ट सिटी की टाइलें बिना हील हुज्जत के क्यों टूट रही हैं, लेकिन जब पुलिस बनाम पुलिस के मुकाबले में हमारी पुलिस वाकई नजर आए तो हम वीर भूमि बनते जरूर नजर आए। तीन युवा कांग्रेसी अगर कांग्रेसी सत्ता के राज्य में सुरक्षित नहीं, तो फिर अगली बार सरकार कैसे बनेगी। दूसरी ओर एआई के पंडाल में देश की हरकतों में अगर चीन का 'रोबो कुत्ता' बदनाम न होता, तो कांग्रेस के नसीब में यह संघर्ष भी न आता।**

न तुम बेवफा थे, न हम बेवफा हैं। यह उस बहस का नतीजा है जो दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच एक हाई वोल्टेज ड्रामा समझा गया। नजारा इसके भीतर और देश के मौजूदा हालात के दरमियान है। देश की कानून व्यवस्था बैलगाडियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका–छिपी की एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक–दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था। दिल्ली से वाकई शिमला दूर है और शिमला से रोहड़ू भी नजदीक नहीं है, इसलिए चौकसी में मशहूर हिमाचल पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए केंद्र की पुलिस में मुजरिम खोजने का नाका लगा दिया। लोगों की नींद इसलिए तो कभी हराम नहीं होती कि कौन सोलर लाइट की बैटरी चुरा रहा है या स्मार्ट सिटी की टाइलें बिना हील हुज्जत के क्यों टूट रही हैं, लेकिन जब पुलिस बनाम पुलिस के मुकाबले में हमारी पुलिस वाकई नजर आए तो हम वीर भूमि बनते जरूर नजर आए। तीन युवा कांग्रेसी अगर कांग्रेसी सत्ता के राज्य में सुरक्षित नहीं, तो फिर अगली बार सरकार कैसे बनेगी। दूसरी ओर एआई के पंडाल में देश की हरकतों में अगर चीन का 'रोबो कुत्ता' बदनाम न होता, तो कांग्रेस के नसीब में यह संघर्ष भी न आता। वैसे रोबोट के किस्से तो देश में पुराने हो गए, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री ही स्कूल में इसे बना चुके हैं और इधर हिमाचल भी कम नहीं। प्रगतिशील राज्य के मेडिकल कालेजों के रोबोट सर्जरी कर रहे हैं, तो हम विज्ञान की मिसाल हैं। इससे पूर्व भी केंद्र की शान में हिमाचल आगे रहा है, जब एक प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. विनोद दुआ के खिलाफ देशद्रोह का मामला बहुत पहले शिमला की कमान में ही बना था। पता नहीं दिल्ली पुलिस के जत्थे ने हिमाचल आकर यहां का कितना पानी पिया, लेकिन पहाड़ का पानी पिये बिना दिल्ली पुलिस रह नहीं सकती। लोग पूछ रहे हैं कि हिमाचल पुलिस को क्या आन पड़ी थी कि मीडिया की भी रात काली कर दी, लेकिन यह अवसर फिर पता नहीं कब आता। अंततरू हिमाचली अधिकारों पर तो केंद्र आज तक नहीं जागा। वाटर सैस पर चुप्पी धारण किए केंद्र को कैसे समझाएं कि इसके जरिए हमने आत्मनिर्भर बनना है। शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद भी केंद्र को कैसे बताएं कि यह करंट हमारा है। हम न तो अपनी कोमल–पवित्र हवाएं रोक सकते, न पानी के स्रोत रोक सकते, लेकिन दिल्ली पुलिस को रोक कर बता दिया कि हमारी कानून दृष्टि कितनी अधिकृत है। यह दीगर है कि किसी तरह दिल्ली पुलिस तीन कांग्रेसी युवाओं को अपने साथ ले गई, लेकिन संदेश भी दिया जा चुका है।

# कनाडा की भूल सुधार

भारत यह भी नहीं भूल सकता कि तीन सौ से अधिक यात्रियों की जान लेने वाले एअर इंडिया के विमान को विस्फोट से उड़ाने वाले खालिस्तान समर्थक आतंकियों को कोई कठोर सजा नहीं दी जा सकी है और वहां जब–तब उनका महिमामंडन भी होता रहता है। संबंधों में वास्तविक सुधार के लिए यह सब बंद होना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा के पहले वहां की सरकार ने जिस तरह यह कहा कि उनके देश में होने वाले अपराधों का भारत से कोई संबंध नहीं, वह केवल भूल सुधार ही नहीं, बल्कि इसका प्रमाण है कि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली पिछली सरकार किस तरह अपने संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत विरोधी एजेंडे पर चल रही थी। जस्टिन ने भारत से भागे और अवैध तरीके से कनाडा में प्रवेश करने वाले खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराते हुए ऐसे बेतुके बयान दिए थे कि इस हत्याकांड में भारत का हाथ होने के पुख्ता आरोप सामने आए हैं। प्रमाण के बजाय आरोप की हास्यास्पद बात करके उन्होंने अपनी जगहंसाई तो कराई ही थी, यह भी सिद्ध किया था कि वे खालिस्तान समर्थक नेता जगमीत सिंह के इशारे पर भारत से संबंध खराब करने पर तुल गए थे।

यह ठीक है कि उनकी अल्पमत सरकार जगमीत की पार्टी के समर्थन की मोहताज थी, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे उसके दबाव–प्रभाव में भारत से संबंध बिगाड़ने की हद तक चले जाते। आम तौर पर अल्पमत सरकारें घरेलू मामलों में समर्थक दलों के दबाव में आती हैं, लेकिन ट्रूडो सरकार तो विदेश नीति पर जगमीत की पार्टी के समक्ष नतमस्तक हो गई। समस्या केवल इतनी ही नहीं थी कि जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थक नेताओं के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे थे, बल्कि यह भी थी कि वे भारत विरोधी तत्वों की पीठ पर हाथ रखे हुए थे। इसका दुष्परिणाम यह था कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थक अतिवादी आए दिन भारत के खिलाफ उग्र–हिंसक प्रदर्शन करते थे। वे भारत के साथ–साथ भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को भी धमकाते थे, पर जस्टिन मौन साधे रहते थे।

इस कारण भारत को भी उनके खिलाफ कठोर रवैया अपनाना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि उनकी जगह प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी पहले दिन से भारत से संबंध सुधार के प्रयास कर रहे हैं, पर भारतीय नेतृत्व केवल इतने से संतुष्ट नहीं हो सकता कि नई सरकार पिछली सरकार की गलतियां ठीक कर रही है। भारत को यह देखना होगा कि कनाडा में भारत के खिलाफ सुनियोजित दुष्प्रचार करते रहने वाले खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई होती है या नहीं? भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथी अभी भी भारतीय हितों के लिए खतरा बने हुए हैं।

भारत यह भी नहीं भूल सकता कि तीन सौ से अधिक यात्रियों की जान लेने वाले एअर इंडिया के विमान को विस्फोट से उड़ाने वाले खालिस्तान समर्थक आतंकियों को कोई कठोर सजा नहीं दी जा सकी है और वहां जब–तब उनका महिमामंडन भी होता रहता है। संबंधों में वास्तविक सुधार के लिए यह सब बंद होना चाहिए।

# इंसेफ्लाइटिस पर निर्णायक विजय

ये सब सहकारी संघवाद का सफल उदाहरण बने, जिसने दशकों की उपेक्षा से शिकार हो रहे हजारों जीवन बचाए। उत्तर प्रदेश का यह लक्षित हस्तक्षेप राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का उत्प्रेरक बना और उसे हेल्थकेयर एवं मेडटेक का उभरता हुआ केंद्र बना दिया। एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) के खिलाफ उत्तर प्रदेश की सफलता हाल के समय की सबसे उल्लेखनीय जनस्वास्थ्य उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कठोर क्रियान्वयन क्षमता ने राज्य को 2017 में 5,400 से अधिक मामलों और 650 से अधिक मौतों से 2024 में मामलों में तीव्र गिरावट और शून्य मृत्यु तक पहुंचा दिया। यह एक ऐसी सफलता है जो कभी भारत के सबसे खराब स्वास्थ्य सूचकांकों से जकड़े राज्य के खाते में गई है।

चार दशकों तक इंसेफ्लाइटिस ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को झकझोर कर रखा था। गोरखपुर इसका केंद्र रहा, जबकि कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर और बस्ती जैसे जिले इसकी चपेट में रहे। यह बीमारी बच्चों और युवाओं को अचानक तेज बुखार और मानसिक भ्रम के साथ जकड़ लेती थी, जो अक्सर मौत का कारण बन जाती थी। जो बच जाते, वे जीवनभर न्यूरोलाजिकल और शारीरिक अक्षमता से पीड़ित रहते। वर्ष 2017 तक इस बीमारी ने लगभग 50 हजार जानें ले लीं, जिनमें अधिकांश बच्चे थे। यह आंकड़ा न केवल चिकित्सा विफलता, बल्कि दशकों की प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी का प्रतीक था। दूषित पानी, कुपोषण, गंदगी और अस्वच्छ जीवन स्थितियों ने संक्रमण को बढ़ावा दिया, ऊपर से पूरी तरह से जर्जर स्वास्थ्य ढांचे ने हालात को काफी गंभीर बना दिया था। राज्य में तब बच्चों के लिए आईसीयू का अभाव, कमजोर लैब सुविधाएं, अपर्याप्त एंबुलेंस सेवाएं आम बात थीं। यही कारण था कि 2017 तक 28 जिले लगातार संक्रमित रहे और इंसेफ्लाइटिस राज्य की विफलता का प्रतीक बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 2017 के चुनाव अभियान में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्णायक कार्रवाई का वादा किया।

वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालते ही इंसेफ्लाइटिस उन्मूलन प्राथमिकता बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में इसे मिशन मोड पर लिया गया। चुनौती केवल बीमारी से लड़ने की नहीं थी, बल्कि भरोसेमंद स्वास्थ्य ढांचा खड़ा करने की भी थी। इसके बाद जो हुआ वह किसी बिखरे हुए हस्तक्षेप या संकट–प्रतिक्रिया तंत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि केंद्र की सतत निगरानी, संसाधन आवंटन, विभागीय समन्वय और रणनीतिक नेतृत्व पर आधारित एक व्यापक और व्यवस्थित सुधार कार्यक्रम था। सात विभागों को जोड़कर समग्र योजना बनी। वर्ष 2019 में गोरखपुर में एम्स की स्थापना, आइसीएमआर की भूमिका मजबूत हुई। सक्रिय सर्वेक्षण से इंसेफ्लाइटिस के कारणों और जोखिमों की पहचान हुई, लैब अपग्रेड हुए, डायग्नोस्टिक किट विकसित हुईं। बीआरडी मेडिकल कालेज, गोरखपुर को उन्नत किया गया, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंसेफ्लाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर बने, एंबुलेंस सेवाएं शुरू हुईं। बुखार–ट्रैकिंग सिस्टम ने इंसेफ्लाइटिस की शुरुआती पहचान को संभव बनाया। व्यापक टीकाकरण अभियान ने जेई वायरस के प्रसार को रोका। वर्ष 2018 में बीआरडी मेडिकल कालेज में बाल पुनर्वास केंद्र स्थापित हुआ, जिससे दिव्यांग बच्चों को दीर्घकालिक देखभाल मिली।

# जमीनी विवाद में अधिवक्ता की पीट-पीटकर हत्या

## तीन लोग हुए घायल, परिजनों ने अभी नहीं दी है तहरीर

गोरखपुर,संवाददाता।शुक्रवार 27 फरवरी को जमीनी विवाद में अधिवक्ता अग्निवेश सिंह की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। नाली का पानी जमीन में गिराने के विरोध पर गांव के ही लोगों पर हत्या का आरोप परिजन लगा रहे हैं। नगर पंचायत बांसगांव के वार्ड नं 9 निवासी अग्निवेश सिंह एडवोकेट की आज सुबह जमीनी विवाद में मौके पर पीट–पीटकर हत्या कर दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह 9.30 के आसपास वार्ड नं 12 में नगर पंचायत द्वारा नाली निर्माण कराया जा रहा था। मृतक अग्निवेश सिंह की जमीन के रास्ते में नाली का पानी गिराने के लिए संजय सिंह, सौरभ सिंह व सौरभ की माता द्वारा अग्निवेश की जमीन में पाइप डालने के लिए जबरदस्ती प्रयास करने लगे। जिसका विरोध अग्निवेश द्वारा किया गया, जिसपर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी।

जिसमें मौके पर चोट लगने से अग्निवेश की मृत्यु हो गई। जिसकी पुष्टि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने की है। मृतक के परिजन अपनी तसल्ली के लिए जिला अस्पताल ले गए, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

# महराजगंज में हाई-वोल्टेज ड्रामा

## प्रेमी से शादी के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, घंटों चला मनाना

**महराजगंज,संवाददाता।**महराजगंज के निचलौल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक 19 वर्षीय युवती प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ गई। परिजनों के समझाने पर शुक्रवार की सुबह चार बजे के बाद घर से बाहर निकल गई। खेत में स्थित एक मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। यह देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसके समझा–बुझाकर नीचे उतारने का काफी प्रयास किया लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

# कुल्हाड़ी से धड़ से अलग किया सिर

## सौतेली मां बनी हैवान, मासूम बच्ची को सजाया, फिर घर के देव स्थल पर दी बलि

**गोरखपुर,संवाददाता।** गोरखपुर में नई नवेली सौतेली मां हैवान बन गई। सौतेली मां ने तीन साल की मासूम की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। मासूम का सिर धड़ से अलग कर दिया। हत्या से पहले आरोपी महिला ने बच्ची को सजाया, फिर घर के देव स्थल पर बली दी। गोरखपुर के पिपराइच थाना इलाके के ग्राम इमलिया उर्फ विजहरा में सोमवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। नवविवाहित सौतेली मां ने अपनी तीन साल की मासूम बेटी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। उसका सिर धड़ से अलग कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि बच्ची के पिता त्रिवेणी मौर्य की पहली पत्नी की मौत हो गई थी। पहली पत्नी से उनकी तीन साल की बेटी अदिति थी। बच्ची की देखभाल और घर संभालने के लिए उन्होंने 25 जनवरी 2026 को सहजनवां इलाके से दूसरी शादी की थी। शादी के करीब एक महीने बाद ही यह खौफनाक घटना हो गई।

**तेल और सिंदूर लगाकर किया तैयार**

परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, रात करीब 12 बजे महिला ने बच्ची को तेल और सिंदूर लगाकर तैयार किया। इसके बाद उसे घर के अंदर बने देवस्थान पर ले गई।

वहां कुल्हाड़ी से उसका गला काट दिया। कुछ ग्रामीण इसे बली देने की घटना भी मान रहे हैं।

**घर में हलचल होने पर पिता को हुआ शक**

घर के अंदर हलचल होने पर बाहर सो रहे पिता त्रिवेणी मौर्य को शक हुआ। जब उन्होंने फोन किया और अंदर जाकर देखा तो घटना का पता चला। शोर मचाने पर आरोपी महिला भागने की कोशिश करने लगी, लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

# घर में बन रहा था खाना...

## गैस सिलिंडर से हल्की लौ उठी, थोड़ी देर में तेज धमाके के साथ फैल गई आग

**गोरखपुर,संवाददाता।** फायर कर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। बसंतपुर चौकी पुलिस और अन्य बल की तत्परता से आग को आसपास के घरों में फैलने से भी रोक लिया गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन किचन समेत घर के कुछ घरेलू सामान जलकर राख हो गए। गोरखपुर के राजघाट थाना क्षेत्र के बसंतपुर के मछली गली में मंगलवार देर रात तीन मंजिला मकान में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। गैस सिलिंडर में रिसाव के बाद निकली चिंगारी ने देखते–देखते विकराल रूप ले लिया। सूचना पर दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस दौरान तीन लोग तीसरी मंजिल पर फंस गए। दमकल कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया। आग से घर के कुछ सामान जल गए हैं। जानकारी के अनुसार, आग इंद्र वर्णवाल के मकान की तीसरी मंजिल पर लगी। परिवार के लोगों ने बताया कि किचन में खाना बनाते समय अचानक सिलिंडर के पास गैस लीक होने लगी, जिससे हल्की लौ उठी। घबराकर तुरंत गैस बंद कर दी गई। कुछ देर बाद दो–तीन बार जांच करने पर गैस लीक रुकता हुआ प्रतीत हुआ। स्थिति सामान्य समझकर दोबारा खाना बनाना शुरू किया गया। इसी दौरान अचानक धमाका हुआ और किचन में आग भड़क उठी। कुछ ही पलों में पूरा फ्लोर धुएं से भर गया।

घटना के समय इंद्र वर्णवाल, वैभव वर्णवाल और कंचन वर्णवाल तीसरी मंजिल पर ही मौजूद थे। आग और धुएं के कारण उन्हें बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिख रहा था।

धुएं की वजह से सांस लेना भी मुश्किल हो गया। तीनों ने मदद के लिए शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने पहले अपने स्तर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। स्थिति बिगड़ती देख तुरंत गोलघर स्थित फायर स्टेशन को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। टीम ने सबसे पहले तीसरी मंजिल पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का काम शुरू किया। सीढ़ी की मदद से एक–एक कर तीनों को नीचे उतारा गया। बाहर निकलने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी हुई थी, लेकिन प्राथमिक देखभाल के बाद वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

**डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू**

फायर कर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। बसंतपुर चौकी पुलिस और अन्य बल की तत्परता से आग को आसपास के घरों में फैलने से भी रोक लिया गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन किचन समेत घर के कुछ घरेलू सामान जलकर राख हो गए। आग काफी भयावह थी। घर में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। कोई जनहानि नहीं हुई है।

**शांतनु यादव, एफएसओ**

# शार्ट सर्किट से दुकान में भीषण आग

## लाखों का सामान जलकर राख– होली त्योहार का रखा था सामान

**गोरखपुर,संवाददाता।** मंटू बर्नवाल के तीन मंजिला भवन में संचालित किराना दुकान में रात करीब दो बजे अचानक आग लग गई। दुकान में बड़ी मात्रा में तेल, टेंट के कपड़े तथा होली के अबीर–गुलाल रखे थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बगल में स्थित पटाखा दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

नगर के पटना चौराहे से कालीचौरा मार्ग स्थित नानाजी देशमुख नगर में शनिवार देर रात भीषण आग लगने से किराना समेत दो दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, मंटू बर्नवाल पुत्र अनंत बर्नवाल के तीन मंजिला भवन में संचालित किराना दुकान में रात करीब दो बजे अचानक आग लग गई। दुकान में बड़ी मात्रा में तेल, टेंट के कपड़े तथा होली के अबीर–गुलाल रखे थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बगल में स्थित पटाखा दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

पटाखों में आग लगने से तेज धमाकों के साथ लपटें और अधिक भड़क उठीं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। लेकिन तब तक दुकानों में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। दमकल विभाग की टीम देर रात तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने और स्थिति सामान्य करने में जुटी रही।

# गोरखपुर में इंटर की परीक्षा देकर निकले छात्र से कहासुनी में मारपीट

**गोरखपुर,संवाददाता।** डीबी इंटर कॉलेज में परीक्षा बाद छात्रों में मारपीट हुई। सत्यम गौड़ ने अंकुर सिंह (18) के सिर पर ईंट से वार किया, जिससे लखनऊ में उसकी मौत हो गई। गोरखपुर के पादरी बाजार कोतवाली इलाके के बेनीगंज स्थित डीबी इंटर कॉलेज में बुधवार शाम यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट की परीक्षा खत्म होने के बाद छात्रों में मामूली बात पर मारपीट हो गई। आरोप है कि एक छात्र सत्यम कुमार गौड़ ने ईंट से छात्र अंकुर सिंह (18) के सिर पर वारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। लखनऊ में इलाज के दौरान अंकुर की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी छात्र सत्यम कुमार गौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, कुशीनगर जिले के अहिरौली इलाके के सोमली पेमली गांव निवासी जनार्दन सिंह विदेश में काम करते थे। लगभग 14 साल पहले शाहपुर इलाके के तिनकोनिया नंबर एक स्थित सरदार पटेल नगर कॉलोनी में मकान बनवाया है। उनकी पत्नी, दो बेटे और बेटी यहां रहते हैं। उनका 18 वर्षीय बेटा अंकुर सिंह पादरी बाजार स्थित ईस्टर्नपुर में सेंट मेरी इंटर कॉलेज में इंटर का छात्र था। उसका सेंटर डीबी इंटर कॉलेज में गया था। बुधवार को दूसरी पाली में वह फिजिक्स की परीक्षा देने गया था।

# खामेनेई की मौत के बाद यूपी में हाई अलर्ट

## प्रदर्शनों पर पुलिस के पैनी नजर, अराजकता फैलाई तो खैर नहीं

**लखनऊ,संवाददाता।** ईरान के सर्वोच्च लीडर खामेनेई की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट कर दिया गया है। जिलों में हो रहे प्रदर्शनों पर पुलिस के पैनी नजर है। इस्राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च लीडर खामेनेई की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट लागू कर दिया गया है। ईरान और खाड़ी देशों पर हमले और युद्ध के हालात के मद्देनजर सभी जिलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मीटिंग में विशेष एहतियात बरतने को कहा है। इसके बाद सभी जिलों को दोबारा आगाह किया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों में हो रहे प्रदर्शन पर भी पुलिस के पैनी नजर है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि शिया बाहुल्य इलाकों और धार्मिक स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। त्योहारों के दौरान अराजकतत्वों द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों से और हिंसक प्रदर्शन करने पर सख्ती से निपटने का निर्देश दिया गया है। दरअसल, लखनऊ में शिया समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए। रोते बिलखते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। यहां तक कि महिलाएं भी सड़कों पर रोते दिखीं। छोटे इमामबाड़े के पास बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग एकत्र हो गए। इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया के अध्यक्ष एवं इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि इस्राइल और यूएस ने मिलकर एक स्वतंत्र देश ईरान पर हमला किया, उन्होंने स्कूलों को भी नहीं छोड़ा। इसकी हम निंदा करते हैं। वहीं शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ़ अब्बास नक़वी ने कहा कि खामेनेई दुनिया के सभी मुसलमानों का ख्याल रखने वाले नेता थे। आज पूरी दुनिया ने देख लिया कि इस्राइल और यूएस ने किस तरह दहशतगर्दी फैलाई है।

# कारोबारियों की बढ़ी चिंता जूता उद्योग पर संकट

## व्यापार में 40 प्रतिशत गिरावट की आशंका

**आगरा,संवाददाता।** ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध से कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। दुनिया भर में सालाना करीब 4,000 करोड़ का फुटवियर आगरा से निर्यात होता है। इसमें से अकेले इस्राइल और मध्य पूर्व के देशों में 250 से 500 करोड़ का कारोबार होता है। ईरान और इस्राइल के बीच छिड़े युद्ध ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है बल्कि शहर के व्यापारिक गलियारों में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। युद्ध के कारण यूरोपीय देशों को होने वाले चमड़ा (लेदर) और हस्तशिल्प निर्यात के सामने लॉजिस्टिक्स और रूट का गंभीर संकट खड़ा होने की आशंका है।

आगरा का जूता उद्योग, जो अपनी गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। अब युद्ध की अनिश्चितता के साए में है। युद्ध के कारण हॉर्मुज जलडमरू मध्य और लाल सागर के रास्तों पर जहाजों के लिए जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में आगरा के निर्यातकों को अब माल केप ऑफ गुड होप अफ्रीका के नीचे से घूमकर भेजना पड़ेगा। सामान्य रूट की तुलना में अब माल पहुंचने में 30 से 50 दिन अधिक लगेंगे। लंबा रास्ता होने के कारण माल ढुलाई की लागत दोगुनी होने के आसार हैं।

**कारोबार में 40 प्रतिशत गिरावट की आशंका**

आगरा से दुनिया भर में सालाना करीब 4,000 करोड़ का फुटवियर निर्यात होता है। इसमें से अकेले इस्राइल और मध्य पूर्व के देशों में 250 से 500 करोड़ का कारोबार होता है। आगरा से बड़े पैमाने पर हाई–एंड लेदर जूते और सेफ्टी शूज का निर्यात होता है, जिनकी यूरोप की सुरक्षा एजेंसियों और औद्योगिक क्षेत्रों में भारी मांग है। इसके अलावा ईरान और इस्राइल में आगरा की पच्चीकारी, पीतल के बर्तन और जरी–जरदोजी के सजावटी सामान की अच्छी खपत है। नेशनल चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स अध्यक्ष संजय गोयल ने बताया कि रूट बाधित होने और युद्ध की स्थिति के कारण इस वित्त वर्ष में कारोबार में 40 प्रतिशत तक की गिरावट आने की आशंका जताई जा रही है। वैश्विक बैंकिंग ट्रांजेक्शन (लेन–देन) पर भी असर पड़ना शुरू हो गया है। ईरान पर संभावित नए प्रतिबंधों और इस्राइल में युद्धकाल की स्थिति के कारण छोटे निर्यातकों के लिए भुगतान की रिकवरी सबसे बड़ी चुनौती बनेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से चमड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स की कीमतें बढ़ गई हैं।

परिवहन लागत बढ़ने से वैश्विक बाजार में आगरा के उत्पादों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जिससे चीन और वियतनाम जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा और कठिन हो जाएगी।

**बाजार में बढ़ेगी अस्थिरता**

आगरा का फुटवियर उद्योग पहले से ही वैश्विक मंदी की चुनौतियों से जूझ रहा है। ईरान–इस्राइल संघर्ष से मध्य पूर्व का बाजार अस्थिर होगा, जिसका सीधा और नकारात्मक असर एमएसएमई सेक्टर पर पड़ेगा।

**–गोपाल गुप्ता, अध्यक्ष, आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चौंबर**

लखनऊ। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से खाड़ी देशों में लखनऊ व आसपास के कई लोग फंसे हैं। ऐसे में उनके परिजनों को उनकी चिंता सता रही है। परिजन अपनों की सुरक्षा को लेकर दिनभर फोन पर हालचाल लेते रहे। दहशत का माहौल बना रहा। अपनों की सलामती के लिए दुआ और प्रार्थनाओं का दौर शुरू है। ईरान व आसपास के खाड़ी देशों के बीच युद्ध के हालात के बीच चिंता की आंच यूपी की राजधानी लखनऊ समेत अवध क्षेत्र तक पहुंच रही है। राजधानी में कई ऐसे लोग हैं जिनके अपने खाड़ी देशों में हैं। कई ऐसे भी हैं जो बदले हालात में वहां फंस गए हैं। खाड़ी देशों में फंसे ऐसे लोगों और लखनऊ में चिंतित उनके परिजनों से उनकी आपबीती सुनिए...

**स्थिति बेहद खराब, हम सभी सहमे हुए हैं रू जमीर अब्बास**

पुराने लखनऊ के रहने वाले जमीर अब्बास मौजूदा समय में ईरान में हैं। सोशल मीडिया के जरिये हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि ईरान में स्थिति बेहद खराब हो गई है। हर तीन मिनट पर हमले हो रहे हैं। चारों तरफ से चीख पुकार की आवाजें सुनाई दे रही हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर कुछ–कुछ देर के लिए रोक लगा दी जा रही है। किसी को कहीं आने–जाने की इजाजत नहीं है। जो जहां है, उसे वहीं रहने के लिए कहा जा रहा है। अब्बास ने बताया कि कुम शहर के दो विद्यालयों पर हमला हुआ है जिसमें करीब 90 छात्र–छात्राओं की मौत हुई है। इस्राइल व अमेरिका के हमले लगातार जारी हैं। चारों ओर सिर्फ धमाके की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

उन्होंने बताया कि वह जहां रहते हैं आसपास में 100 से अधिक भारतीय हैं। सभी की स्थिति एक जैसी है। हमले से सभी सहमे हुए हैं।

**बहन की चिंता में घबरा रहा मन**

गोमतीनगर स्थित भागीरथी अवध विहार योजना कॉलोनी की डॉ. पूजा सिंह की छोटी बहन सुमन सिंह दुबई में हैं। युद्ध की खबर सुनते ही उनकी चिंता बढ़ गई है। बहन से लगातार संपर्क कर रही हैं। आंखों में आंसू और मन में घबराहट है। उन्होंने बताया कि बहन जहां है, वहां अभी स्थित सामान्य है।

**लखनऊ,संवाददाता।** ईरान संकट के बीच लखनऊ से खाड़ी देशों में गए करीब सवा लाख लोग फंस गए हैं। दूसरी तरफ इन देशों में जाने वाले विमान सेवा बंद कर दी गई है। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले के बाद 40 लाख से ज्यादा लखनवी चिंता में हैं। लखनऊ के सवा लाख से ज्यादा लोग ईरान, ओमान, बहरीन, मस्कट, रियाद, दुबई, रसअलखेमा और शारजाह जैसे खाड़ी देशों में फंसे हैं। सभी वतन वापसी की राह देख रहे हैं लेकिन ईरान का एयरस्पेस बंद होने की वजह से सारी फ्लाइटें कैंसिल हैं। ऐसे में ये लोग लखनवी ट्रैवल एजेंसियों को फोन कर वापसी के लिए मदद की गुहार लगा रहे हैं। एयरवॉक ट्रैवल एजेंसी के मालिक आतिफ ने बताया कि इस वक्त खाड़ी देशों में लखनऊ के सवा लाख से ज्यादा लोग हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से खाड़ी देशों के लिए हर हफ्ते 115 उड़ानें जाती हैं। अब इन फ्लाइटों के रद्द होने से वहां लोग परेशान हैं। लखनऊ के अजीत हैदर दो दिन पहले ही गए थे। हमले के बाद वह परेशान हैं और वापसी की गुहार लगा रहे हैं। हर महीने लखनऊ से 700–800 लोग जियारत के लिए ईरान जाते हैं। ईरान के लिए सीधी फ्लाइट नहीं होने पर लोग दिल्ली और दुबई के रास्ते कनेक्टिंग फ्लाइट के जरिये जाते हैं। खाड़ी देशों में जाने वाले 90 प्रतिशत लोग कामगार हैं जबकि 10 प्रतिशत लोग बतौर पर्यटक जाते हैं। लखनऊ के अलावा गोंडा और अंबेडकरनगर के भी कई परिवारों की धड़कने तेज हैं। गोंडा के शास्त्रीनगर तोपखाना मोहल्ले के एक परिवार के कई लोग ईरान में हैं। व्यवसायी शबाहत हुसैन के छोटे भाई फसाहत हुसैन परिवार के साथ ईरान में रहते हैं। अंबेडकरनगर में भी 100 से ज्यादा परिवारों की धड़कन तेज हो गई है। यहां से तमाम लोग रोजी–रोटी से लेकर शिक्षा तक के लिए ईरान के विभिन्न शहरों में रह रहे हैं।

**खाड़ी देश जाने वालीं 17 उड़ानें निरस्त**

शनिवार को दुबई का एयरस्पेस बंद कर दिया गया। इस कारण लखनऊ से दम्माम, मस्कट सहित खाड़ी देशों में सात गंतव्यों के लिए आने–जाने वाली 17 उड़ानें निरस्त कर दी गईं हैं। इसमें इंडिगो की उड़ानें सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं हैं।

लखनऊ से दम्माम जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई–097, कनेक्टिंग उड़ान 6ई–083, 6ई–081, 6ई–082, 6ई–084 निरस्त की गई। दम्माम से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई–098 शनिवार को निरस्त हुई जो रविवार को भी निरस्त रहेगी। एअर इंडिया की एआई–2250, लखनऊ से रियाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई–053, 6ई–071, रियाद से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई–054, 6ई–072 भी निरस्त रहीं। लखनऊ से मस्कट जाने वाली इंडिगो की कनेक्टिंग उड़ान 6ई–1267 तथा लखनऊ से रसअलखैमा जाने और आने वाली इंडिगो की कनेक्टिंग उड़ानें 6ई–1491 एवं 6ई–1492 निरस्त रहीं। लखनऊ से शारजाह जाने और आने वाली इंडिगो की 6ई–1423, 6ई–1424, 6ई–1422 निरस्त कर दी गईं।

# रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ

**बाथरूम में बंद कर परिवार ने बचाई जान, मोहल्ले में लोगों की लगी भीड़**

मेघराज के परिजनों को घर के अंदर कुछ आहट महसूस हुई। जब उन्होंने देखा तो बाथरूम में एक तेंदुआ बैठा था। बिना देर किए परिवार ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू किया।

**मुरादाबाद,संवाददाता।** रामगंगा विहार में एक घर में तेंदुआ घुस गया। परिवार ने उसे बाथरूम में बंद कर खुद बाहर निकलकर जान बचाई। वन विभाग और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मुरादाबाद के रामगंगा विहार स्थित हरथला गंगा मंदिर के पास एक घर में तेंदुआ घुस गया। इससे पूरे मोहल्ले में हंगामा मच गया। इसी बीच मेघराज प्रजापति के परिवार ने तेंदुए को बाथरूम में बंद कर घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा–तफरी मची हुई है। मेघराज के परिजनों को घर के अंदर कुछ आहट महसूस हुई। जब उन्होंने देखा तो बाथरूम में एक तेंदुआ बैठा था। बिना देर किए परिवार ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस भी मौके पर मौजूद है। वन विभाग की टीम तेंदुए को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। उधर, आशियाना में सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान के पास भी घरों में तेंदुआ देखे जाने की सूचना है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को पकड़ने का अभियान शुरू किया है।

टीम ने घर को चारों ओर से घेर लिया है ताकि तेंदुआ बाहर न निकल सके। स्थानीय पुलिस भी भीड़ को नियंत्रित करने में मदद कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि तेंदुए को बेहोश कर सुरक्षित जंगल में छोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। तेंदुए के रिहायशी इलाके में घुसने से लोगों दहशत है। लोगों को अपने घरों में रहने और बच्चों को बाहर न निकलने देने की सलाह दी गई है।

# यूपी में SIR के दौरान वोटर लिस्ट से कटे 138362 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम

**1.38 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। आजमगढ़ में 11.58 लाख मतदाता अब तक वैध पाए गए। शेष 5.18 लाख मतदाताओं का सत्यापन मार्च तक होगा।**

**संवाददाता, आजमगढ़।** त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। जिले में 18 लाख 15 हजार 185 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य बीएलओ के माध्यम से कराया जा रहा है। सत्यापन कार्य के बाद 11 लाख 58 हजार 83 मतदाता अभी तक वैध मिले हैं। एक लाख 38 हजार 362 मतदाताओं का नाम सूची से डिलीट किया गया है। इसके साथ ही अभी पांच लाख 18 हजार 760 मतदाताओं के सत्यापन का कार्य बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। जिले के तरवां ब्लाक में सर्वाधिक संभावित डुप्लीकेट मतदाता हैं। यहां पर संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या एक लाख चार हजार 390 है। इसमें 41 हजार 489 मतदाता अभी तक के सत्यापन में वैध मिले हैं। पांच हजार 454 मतदाताओं का नाम सूची से डिलीट किया गया है और 57 हजार 447 संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन कराया जा रहा है। सबसे कम संभावित डुप्लीकेट मतदाता अतरौलिया में 59 हजार 543 हैं। यहां पर 43602 वैध मतदाता मिले हैं और 3023 मतदाताओं का नाम सूची से डिलीट किया गया है। 12 हजार 918 मतदाताओं के सत्यापन हो रहा है। इसके साथ ही रानीकी सराय में संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या 74302 है, इसमें 62 हजार 889 वैध मतदाता हैं। 11413 मतदाताओं का नाम डिलीट करके सत्यापन का सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। जिले में संभावित 18 लाख 15 हजार 185 डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य कराया जा रहा है। मार्च माह के अंत तक सत्यापन कार्य को पूरा कराने के बाद मतदाताओं की फाइनल सूची तैयार हो जाएगी। संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या के सापेक्ष 11 लाख 58 हजार 63 मतदाता वैध मिले हैं और एक लाख 38 हजार 362 का नाम सूची से डिलीट किया गया है। पांच लाख 18 हजार 760 मतदाताओं का सत्यापन मार्च तक पूरा हो जाएगा। –राजाराम वर्मा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय)।

# केंद्रीय एजेंसी की 24 घंटे बाद भी पूरी नहीं हो सकी जांच

**रामपुर में प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर रात भर चला सर्वे**
**रामपुर में तीन प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर 24 घंटे से सर्वे जारी।**
**केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमें रात भर करती रहीं गहन पड़ताल।**
**वित्तीय लेनदेन, कंप्यूटर, खातों की हो रही है जांच।**

**संवाददाता, रामपुर।** गंज कोतवाली क्षेत्र की तीन बड़ी प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर दिल्ली से आई केंद्रीय जांच एजेंसी (आयकर विभाग की टीम बताई जा रही है) के अधिकारियों की टीमों का सर्वे 24 घंटे बाद भी पूरा नहीं हो सका है। टीम ने रात भर जांच की।तक जांच जारी है। टीमें अभी तक फैक्ट्रियों में मौजूद है। लकड़ी कारोबारियों के फोन गुरुवार से बंद जा रहे हैं। लकड़ी के बड़े कारोबारी नईम उर्फ बब्लू और उनके पार्टनर मुनन खां की एनजी प्लाईवुड एंड विनियर, एमआइ इंडस्ट्रीज और एमएन इंडस्ट्रीज के नाम से बगी गांव में फैक्ट्रियां हैं।

एमएन और एमआइ इंडस्ट्रीज एक ही परिसर में हैं। गुरुवार सुबह आठ बजे एजेंसी के अधिकारियों की टीमों ने फैक्ट्रियों पर पहुंचकर सर्वे शुरू किया था। टीमों के साथ सीआरपीएफ के जवान भी हैं। टीमों ने तीनों फैक्ट्रियों को अपने नियंत्रण में ले रखा है। किसी को अंदर आने दिया जा रहा है। फैक्ट्री गेट पर सीआरपीएफ जवान तैनात हैं। जांच एजेंसी लकड़ी कारोबारियों के वित्तीय लेनदेन, कंप्यूटर, खातों आदि दस्तावेज की जांच कर रही हैं। लकड़ी कारोबारी बब्लू मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन के समधी भी हैं।

पूर्व सांसद की बेटी की शादी बब्लू के बेटे से हुई है। इसके अलावा बब्लू ने अपने एक बेटे की शादी पार्टनर मुनन की बेटी से की है।

# गाजीपुर पहुंचीं राज्यपाल दिव्यांग बच्चों से की मुलाकात

**राज्यपाल आनंदी बेन पटेल गाजीपुर पहुंचीं। 69 दिव्यांग बच्चों से की विशेष मुलाकात। प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों का हाल जाना।**

**संवाददाता, गाजीपुर।** राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शुक्रवार को गाजीपुर पहुंच गईं। पुलिसलाइन में 13 गांवों के 69 दिव्यांग बच्चों से मुलाकात कर रहीं हैं। वह प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगीं। वह पुलिस लाइन के हेलीपैड पहुंचीं। यहां से कार से पुलिस लाइन परिसर में ही आडिटोरियम में दिव्यांग बच्चों से मुलाकात कर रहीं हैं। वह 12.20 बजे हेलीकाप्टर से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगीं। प्रशासन ने गांवों के दिव्यांग बच्चों को लाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की है। जनपद के तीन ब्लाक सदर, देवकली व मनिहारी से सटे गांवों फतेहउल्लाहपुर, हरिहरपुर, छोटी जंगीपुर, शिकारपुर, बूढ़नपुर, भौरहां, धारीकला, गोला, राठौली, हरखुपुर, भीखेपुर, हाला, अगस्ता आदि गांवों में पिछले एक दशक में बच्चों में अलग–अलग प्रकार से मानसिक व शारीरिक दिव्यांग हैं। राज्यपाल के निर्देश पर ही बीएचयू की टीम इन बच्चों की जांच कर रही है।

# ठाकुर बांकेबिहारी ने खेली भक्तों के साथ रंगों की होली

**संवाददाता, मथुरा।** ठाकुर बांकेबिहारी ने रंगभरनी एकादशी पर शुक्रवार को अपने भक्तों के साथ रंगों की होली खेली। ठाकुर जी के प्रतिनिधि के रूप में सेवायतों ने पिचकारी से श्रद्धालुओं पर रंगों की वर्षा की। ठाकुर जी के प्रसाद रूपी रंग में सराबोर होकर श्रद्धालु आल्हादित हो गए। रंगभरनी एकादशी से ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन का सजीव प्रसारण भी शुरू हो गया। सुबह मंदिर और आसपास लगी एलईडी स्क्रीन पर उनके दर्शन का प्रसारण किया गया।

दोपहर एक बजे से विभिन्न इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म पर भी सजीव प्रसारण शुरू हो जाएगा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में वसंत पंचमी से होली का उल्लास शुरू हो जाता है।

लेकिन रंगभरनी एकादशी से ठाकुर जी भक्तों के साथ रंगों की होली खेलते हैं। इसके लिए सेवायत कई दिनों से टेसू के फूलों से रंग तैयार कर रहे थे। शुक्रवार सुबह आठ बजे मंदिर के पट खुले तो श्वेत पोशाक धारण कर ठाकुर जी ने हुरियारे के रूप में दर्शन दिए। कमर में गुलाल की पोटली बंधी थी।

ठाकुर जी के दर्शन कर भक्त आल्हादित हो गए और मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। सेवायतों ने ठाकुर जी के प्रतिनिधि के रूप में श्रद्धालुओं पर पिचकारी से रंगों की बौछार की। ठाकुर जी का रंग रूपी प्रसाद पाने के लिए सुबह से ही मंदिर में भीड़ उमड़ने लगी।

इधर, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति के निर्देश पर शुक्रवार से ठाकुर जी के दर्शन का सजीव प्रसारण भी शुरू कर दिया गया। सुबह आठ बजे से ही मंदिर और उसके आसपास लगाई गई एलईडी पर ठाकुर की दर्शन का प्रसारण हुआ। अब दोपहर एक बजे से विभिन्न इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म पर भी सजीव प्रसारण किया जाएगा। घर बैठे ही श्रद्धालु ठाकुर जी के दर्शन कर पाएंगे।

# बहू ने की सास की हत्या–शादी का गिरवी लश्केट छुड़ाने के लिए 500 कम पड़ने पर हुआ था विवाद, ऐसे हुआ खुलासा

**वाराणसी,संवाददाता।** जिले में नाबालिग बहू ने अपनी सास की हत्या कर दी। उसने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर सास को मौत के घाट उतार दिया। घटना के दौरान पड़ोसी युवक भी वहां मौजूद था। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वाराणसी जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के कठिरांव बाजार में गिरवी रखे गए शादी के लॉकेट को छुड़ाने के लिए 500 रुपये कम पड़ने पर शुरू हुआ विवाद हत्या पर जाकर रुका। विवाद इतना बढ़ा कि नाबालिग बहू ने घर लौटते ही सास पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद जांच में पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी बहू को पकड़ लिया। घटनास्थल से फील्ड यूनिट ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी पहले ही बरामद कर ली थी। फूलपुर क्षेत्र के चौकी कठिरांव लाठियां में 25 फरवरी को आशा देवी का शव उनके घर में रक्तरंजित हालत में मिला था। पति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

**पूछताछ में बहू ने बताई ये बात**

पूछताछ में नाबालिग बहू ने बताया कि उसकी सास उसे प्रताड़ित करती थी और उसकी जमा रकम अपनी बेटी को दे देती थी। घटना के दिन दोनों भागीरथी भट्ठे से कठिरांव आईं और बैंक ऑफ बड़ौदा से दो हजार रुपये निकाले। इसके बाद सराफा की दुकान पर गिरवी रखे लॉकेट को छुड़ाने के लिए दो हजार रुपये जमा किए, लेकिन 500 रुपये कम होने के कारण लॉकेट नहीं मिल सका। इस बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। घर लौटने पर विवाद बढ़ा तो आवेश में आकर उसने पास रखी कुल्हाड़ी से सास पर वार कर हत्या कर दी।

**ये है पूरा मामला**

थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है। बता दें कि फूलपुर थाना क्षेत्र के कठिराव गांव के लठिया पुरवे में बुधवार की शाम ईंट भट्ठे पर पथाई का काम करने वाली आशा देवी (47) की घर में कुल्हाड़ी से वार कर दर्दनाक हत्या कर दी गई। शाम को घर पहुंचने पर पति सुभाष को घटना की जानकारी हुई। पति की सूचना पर फूलपुर थाने की पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

**घटना के दौरान बहू के साथ पड़ोसी भी था माजूद**

जांच में सामने आया कि आशा के सिर पर तेज धार हथियार से वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया है। इस मामले में पुलिस ने आशा की बहू और पड़ोस में रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बहू ने बुधवार को रात में ही पूछताछ में पारिवारिक झगड़े में हत्या करने की बात कबूल कर ली थी। घटना के दौरान उसके साथ पड़ोसी युवक भी मौजूद था।

**बहू ने पहले की गुमराह करने की कोशिश**

सुभाष वनवासी ने पुलिस को बताया कि पत्नी आशा पास के एक भट्ठे पर ईंट पथाई का काम करती थी। दोपहर में वह बाजार से घर पहुंची थी। सुभाष जब शाम को घर पहुंचा तो उसे घटना की जानकारी हुई। हत्या की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर साक्ष्य संकलन कर मृतका की बहू प्रीति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पहले प्रीति ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, बाद में बताया कि उसकी सास उससे रोज लड़ाई करती थी, जिससे तंग आकर उसने पड़ोसी युवक के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी।

## वेब सीरीज देखकर सीखा था शव काटने का तरीका

**लखनऊ,संवाददाता।** आशियाना के शराब कारोबारी के हत्याकांड में जो सच सामने आ रहा है वो बेहद खौफनाक है। बताया जा रहा है कि आरोपी के मन में पिता के प्रति काफी नफरत भरी थी। यही वजह है कि शव के टुकड़े करने में उसके हाथ नहीं कांपे। आशियाना के सेक्टर एल में रहने वाले पैथालॉजी संचालक व शराब कारोबारी मानवेंद्र सिंह (49) की हत्या के बाद उनका बेटा अक्षत शव को ठिकाने लगाने के लिए परेशान था। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शव का वजन ज्यादा होने के कारण वह अकेले उसे कार में लादकर नहीं ले जा सकता था। आरोपी ने वेब सीरिज वध देखा था, जिससे उसने शव को काटने का तरीका सीखा था। छानबीन में सामने आया कि वेब सीरिज में आरी से शव को काटकर ठिकाने लगाया गया था। अक्षत को यह तरीका बेहतर लगा। आरोपी ने पहले ऑनलाइन चाकू मंगाया था। चाकू से शव को काटने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। इसके बाद वह घर से निकला और दो आरी खरीदकर लाया। आरी से ही उसने शव के टुकड़े कर दिए थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी ने यूट्यूब पर भी शव को ठिकाने कैसे लगाएं... इसके वीडियो देखे थे। यही नहीं, शव को काटने का वीडियो भी उसने देखा था। आरोपी ने हत्या के बाद छोटी बहन कृति से कहा था कि तुम परेशान न हो। मैं सब संभाल लूंगा। बताया जा रहा है कि आरोपी के मन में पिता के प्रति काफी नफरत भरी थी। यही वजह है कि शव के टुकड़े करने में उसके हाथ नहीं कांपे।

**पिता ने कुछ भी बोलने से किया इंकार**

मानवेंद्र के पिता ने इस पूरे घटनाक्रम में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। अक्षत की मां की आत्महत्या के सवाल पर परिजनों ने कहा कि उनकी बीमारी से मौत हुई थी। कॉलोनी में बृहस्पतिवार को भी सन्नाटा पसरा रहा। लोग तरह तरह की चर्चा करते रहे।

# शराब नीति मामले में केजरीवाल–सिसोदिया बरी

**राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल–सिसोदिया को बरी किया।**
**आबकारी नीति में कोई व्यापक साजिश नहीं पाई गई।**
**सीबीआई का सिद्धांत मात्र अनुमान, प्रथम दृष्टया मामला नहीं।**

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने आबकारी घोटाला से जुड़े चर्चित सीबीआइ मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई अन्य को बरी कर दिया। न्यायाधीश जितेंद्र सिंह फैसला सुनाया कि आबकारी नीति में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि सीबीआई ने साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन अभियोजन पक्ष का सिद्धांत मात्र अनुमान है। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि 23 आरोपितों में से किसी के भी खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। कोर्ट के फैसले से सीबीआई को बड़ा झटका लगा है, इस फैसले से सीबीआई की जांच पर गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं। इसका असर आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले पर भी हो सकता है।

### कोर्ट के फैसले के बाद भावुक हुए केजरीवाल

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत देते हुए उन्हें बरी कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल भावुक हो गए। वहीं उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि सच की हमेशा जीत होती है। मीडिया से बातचीत के दौरान अरविंद केजरीवाल रो पड़े। उन्होंने कहा, श्मैं भ्रष्ट नहीं हूँ। अदालत ने कहा है कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ईमानदार हैं।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रचंड हेलीकाप्टर में भरी उड़ान

**जैसलमेर,एजेंसी ।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय वायुसेना के स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। इसके साथ ही राष्ट्रपति आज भारत–पाकिस्तान सीमा पर वायुसेना के वायु शक्ति अभ्यास को भी देखेंगी। अक्तूबर 2022 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर भारतीय वायुसेना में पहले एलसीएच के औपचारिक शामिल होने के अवसर पर 'प्रचंड' में उड़ान भरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। राष्ट्रपति ने भारत–पाकिस्तान सीमा के पास हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में सह–पायलट के तौर में उड़ान भर कर इतिहास रच दिया है।द्रौपदी मुर्मू स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में सह–पायलट बनकर उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। एलसीएच प्रचंड ने जैसलमेर स्थित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। जैतून के हरे रंग की वर्दी और हेलमेट पहने हुए उन्होंने प्रस्थान करने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

## भारत में हर साल सड़क हादसों में करीब 2 लाख मौतें

**नई दिल्ली,एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार, 26 फरवरी को नई दिल्ली में सड़क सुरक्षा पर तीसरे नेशनल कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा, श्भारत में हर साल सड़क हादसों की वजह से करीब पांच लाख एक्सीडेंट होते हैं और 1.80 लाख मौतें होती हैं। नितिन गडकरी ने इन हादसों को लेकर कहा कि लोगों के व्यवहार में बदलाव और ट्रैफिक कानूनों को लागू करना, सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने में देश की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं।

**सड़क हादसों से एक साल में पांच लाख मौतें**

सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया, देश में ओवरस्पीडिंग से हर साल करीब 1,20,000 मौतें होती हैं, जबकि हेलमेट न पहनने से 54,000 से ज्यादा मौतें होती हैं और सीट बेल्ट न पहनने से 14,000 से ज्यादा मौतें होती हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया, श्सड़क हादसों में हर साल 18 साल से कम उम्र के बच्चों की 10,000 से ज्यादा जानें जाती हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाना, गलत साइड से गाड़ी चलाना और मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी सड़क हादसों में लोगों की जान जाने के सबसे बड़े कारण हैं।

# यूपी–यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर एमओयू

**लखनऊ,संवाददाता।** जापान के यामानाशी प्रांत में यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने निवेश का आमंत्रण दिया। इसी कड़ी में यूपी–यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर एमओयू हुआ है। इसके तहत यूपी के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। गुरुवार को यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर एमओयू हुआ है। इसके तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। सीएम ने यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो में हिस्सा लिया। साथ ही यूपी की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि यूपी ने शासन की कार्यशैली को रिएक्टिव से बदलकर प्रोएक्टिव बनाया है। यही परिवर्तन आज प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति का आधार बना है। उधर, यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट) और जी2बी (गवर्नमेंट टू बिजनेस) स्तर की बैठकों में भाग लिया है। वहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक

संवाद हुआ।

**ग्रीन हाइड्रोजन पर ऐतिहासिक समझौता**

इस मौके पर सीएम ने आगे कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

तकनीक और भविष्य के क्षेत्रों पर जोर

सीएम ने रोबोटिक्स को भविष्य की प्रमुख तकनीक बताया। कहा कि, यूपी सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की व्यवस्था की है। हमें विश्वास है कि यामानाशी से सहयोग भारत–जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा तकनीक को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम ने कहा कि लगभग 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। वहां प्रकृति की विशेष कृपा है। भारत की सबसे उर्वर भूमि, सर्वाधिक जल संसाधन, विशाल मानव संसाधन और आध्यात्मिक–सांस्कृतिक विरासत उत्तर प्रदेश को विशेष पहचान देते हैं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तथा अर्थव्यवस्था तीन गुना करने में सफलता मिली है।

**रिएक्टिव से प्रोएक्टिव मॉडल बना विकास का आधार**

सीएम ने कहा कि पहले समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था थी। अब प्रदेश ने प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल अपनाया है। निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को सुविधा देने, नई तकनीक अपनाने और वैश्विक साझेदारी बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार पहल कर रही है। इसी सोच के साथ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान की यात्रा पर आया है। ताकि, संभावनाओं को अवसर में बदला जा सके।

**यामानाशी से गहरे होते संबंध**

सीएम ने यामानाशी प्रांत के राज्यपाल एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। मौजूद इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय के लोगों का भी स्वागत किया। कहा कि दिसंबर 2024 में यामानाशी के राज्यपाल उत्तर प्रदेश आए थे। उसके बाद दोनों सरकारों के बीच निरंतर संवाद, फॉलोअप तथा प्रतिनिधिमंडलों के आदान–प्रदान से यह सहयोग नई दिशा में आगे बढ़ा। बिजनेस डेलीगेशन के अध्ययन और रिपोर्ट के बाद आज राज्यपाल के आमंत्रण पर प्रतिनिधिमंडल यामानाशी पहुंचा है। इस अवसर पर यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी, उपराज्यपाल जुनिचि इशिदरा, उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक समेत यूपी सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अधिकारीगण, यामानाशी के इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

## बसपा विधायक के पास सरकारी ठेकों की भरमार

### दो साल में दोगुना हुआ कारोबार

**लखनऊ,संवाददाता।** आयकर छापे में सामने आया है कि सड़क निर्माण और खनन में उनका खासा दखल रहा है और दो साल में उनका कारोबार दोगुना हो गया है। प्रथमदृष्टया जांच में वित्तीय हेराफेरी के सुराग भी मिले हैं। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर मारे गए आयकर छापे में पता चला है कि विधायक और उनके करीबियों की कंपनियों का दो वर्षों में कारोबार दोगुना हो गया। खासकर खनन, सड़क निर्माण आदि के सरकारी ठेकों में उनकी कंपनियों का खासा दखल सामने आया है। इससे संबंधित तमाम दस्तावेज भी छापे में बरामद हुए हैं। तलाशी में विभिन्न स्थानों से कागज के पन्ने, डायरी, हस्तलिखित दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई हैं जो बेहिसाब लेनदेन से जुड़ी हैं। प्रथमदृष्टया जांच में वित्तीय हेराफेरी के सुराग भी मिले हैं। आयकर विभाग अब यह भी पता लगा रहा है कि उमाशंकर और उनके करीबियों की कंपनियों ने खनन के कुल कितने पट्टे हासिल किए थे और कितना वास्तविक खनन किया। दरअसल, बीते वर्ष सीएजी की रिपोर्ट में उमाशंकर की कंपनियों द्वारा अवैध खनन से 60 करोड़ के राजस्व हानि की रिपोर्ट दी गई थी। माना जा रहा है कि इसी के बाद आयकर विभाग ने छापे की कार्रवाई की। अधिकारियों के मुताबिक अन्य ठिकानों पर छापे शुक्रवार तक जारी रहेंगे। उधर, आयकर की कार्रवाई को लेकर उमाशंकर के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि हमारे गोमतीनगर स्थित आवास और ऑफिस पर आयकर विभाग ने जांच की है। मेरे पिता और पूरा परिवार आयकर अधिकारियों का सहयोग कर रहा है। अधिकारी भी हमारे साथ सहयोग कर रहे हैं।

# आउट होकर वापस आए हैं

## सनी देओल-बाबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान ने हाल ही में सनी देओल, बॉबी देओल और अक्षय खन्ना की तारीफ की। उन्होंने तीनों सितारों के इंडस्ट्री में धांसू कमबैक के लिए उनकी पीठ थपथपाई। फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चौलेंजिं ग काम है।

### फराह बोलीं– नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, श्यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखोश।

### सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म श्छावाश और फिर श्धुरंधरश में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। धुरंधर में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म श्एनिमलश से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज श्बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने श्गदर 2 से वापसी की और बॉर्डर 2 में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की।

### तीस मार खान को लेकर कही ये बात

फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म तीस मार खान के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, जब श्तीस मार खान रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं।

# रश्मिका मंदाना के होने वाले सास-ससुर क्या करते हैं

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** रश्मिका मंदाना और विजय की शादी होने जा रही है. हाल ही में इस जोड़ी ने इस खबर को कंफर्म किया था और अपनी शादी को 'वेडिंग ऑफ VIROSH' नाम दिया था. ये कपल उदयपुर में रॉयल वेडिंग करने जा रहा है और बीते दिन होने वाले दूल्हा–दुल्हन अवने वेडिंग वेन्यू पर पहुंच गए थे. रश्मिका और विजय अरावली में आईटीसी होटल्स द मोमेंटोस उदयपुर में सात फेरे लेकर शादी के बंधन में बंधेंगे. इस बीच चलिए यहां जानते हैं रश्मिका मंदाना के होने वाले सास ससुर क्या करते हैं.

### रश्मिका के होने वाले ससुर क्या करते हैं?

बता दे कि रश्मिका मंदाना के होने वाले ससुर यानी विजय देवरकोंडा के पिता देवरकोंडा गोवर्धन राव भी साउथ सिनेमा के बेहद फेमस डायरेक्टर और प्रोड्यूसर हैं. वे कई टीवी शोज को डायरेक्ट कर चुके हैं. इनके अलावा विजय के पिता ने साल 2021 में अपने बेटे संग फिल्मकर 2021 में आई फिल्म पुष्पक विमानम को भी प्रोड्यूस किया था.

### क्या करती हैं रश्मिका मंदाना की होने वासी सासु मां?

रश्मिका की होने वाली मदर इन लॉ और विजय देवरकोंडा की मां माधवी देवरकोंडा एक हाउसवाइफ हैं. विजय की मम्मी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने एक्टर बेटे संग खूब तस्वीरें शेयर करती रहत हैं. वहीं उनका अपनी होने वाली बहू रश्मिका मंदाना के साथ भी काफी प्यारा बॉन्ड है।

# बाडी शेमिंग की वजह से खूब रोती थीं मृणाल ठाकुर

### बॉडी शेमिंग से जूझने पर मृणाल ठाकुर

मृणाल ने माना कि पहले, सुंदरता के छोटे–मोटे स्टैंडर्ड को मानने के दबाव की वजह से वह अक्सर उदास महसूस करती थीं. मृणाल ने न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू के दौरान बताया, ष्मेरे भी दिन आए हैं. ऐसे भी दिन थे जब मैं रोते–रोते सो जाती थी. मैं सूजी हुई आंखों के साथ उठती थी और खुद से कहती थी कि यह इसके लायक नहीं है. उन्होंने कहा कि इन भावनाओं पर काबू पाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए, खासकर ऐसे माहौल में जहां हमेशा सपोर्ट नहीं मिलता. टर्निंग पॉइंट तब आया जब उन्हें एहसास हुआ कि खुद को स्वीकार करना ही कॉन्फिडेंस की चाबी है. एक यंग फैन से अचानक हुई मुलाकात ने उन्हें अपने नज़रिए पर फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया. जहां फैन उनके शरीर की तारीफ़ कर रहा था, वहीं मृणाल को एहसास हुआ कि वह खुद किसी और की फिजीक की चाहत कर रही थीं. उस पल ने उन्हें यह समझने में मदद की कि दूसरों से वैलिडेशन पाने के बजाय पहले खुद को अहमियत देना कितना ज़रूरी है।

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म दो दीवाने सहर में की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं. इन सबके बीच एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने वजन को लेकर सालों तक बॉडी–शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में खुलकर बात की. इस दौरान उन्होंने ये भी खुलासा किया कि एक सुपरस्टार की सलाह ने उन्हें अपनी बॉडी को अपनाने और कॉन्फिडेंस वापस पाने में अहम भूमिका निभाई।

**मृणल ठाकुर ने बताया कि उन्हें कई बार बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ी इस वजह से वे काफी रोती थी. लेकिन फिर एक स्टार की सलाह ने उन्हें बदल दिया।**

# आलिया भट्ट का नमस्कार...

**79वें बाफ्ता अवार्ड में छाईं आलिया भट्ट**
**आलिया ने स्टेज पर हिंदी में दी स्पीच**
**सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो**

### बाफ्ता अवॉर्ड 2026 में आलिया का जलवा

आलिया भट्ट की मौजूदगी को लेकर बाफ्ता अवॉर्ड 2026 लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। इस इंटरनेशनल अवॉर्ड से स्टेज पर जैसी है आलिया ने एंट्री मारी और हिंदी भाषा में नमस्कार कहा, वह हर किसी को पसंद आ रहा है। आलिया की इस हिंदी स्पीच के वीडियो को अब ब्रिटिश फिल्म अकादमी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है, जिसकी कवरेज बीबीसी ने की है।

**नई दिल्ली,एजेंसी।** बाफ्ता अवॉर्ड 2026 के विजेताओं का एलान किया गया। हिंदी सिनेमा की लेडी सुपरस्टार आलिया भट्ट ने इस इंटरनेशनल फिल्म पुरस्कार में अवॉर्ड प्रेजेंटर बनकर देश का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही हिंदी भाषा में आलिया द्वारा दी गई स्पीच हर तरफ चर्चा का विषय बन गई है। 79वें ब्रिटिश फिल्म अकादमी पुरस्कार समारोह के दौरान जैसे ही आलिया भट्ट ने नमस्कार कहा, मौके पर मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका इस्तकबाल किया। अब सोशल मीडिया पर आलिया का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। साथ ही एक साउथ एक्ट्रेस भी उनकी फैन हो गई हैं।

# रिंकू सिंह के पिता का निधन

**न्यूज डेस्क।** भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का कई दिनों से ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में इलाज चल रहा था। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह स्टेज–4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का लंबी बीमारी के बाद देर रात निधन हो गया है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह स्टेज–4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वह करीब तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थे। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। पिता की गंभीर स्थिति की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ही अपने पिता से मिलने आए थे। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले दोबारा टीम के साथ जुड़ गए थे। पिता के निधन की खबर के बाद वो तुरंत वापस लौट रहे हैं। रिंकू टूर्नामेंट में आगे टीम इंडिया का हिस्सा बनेंगे इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण का काम करते थे। वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक गैस एजेंसी में काम करते थे। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने अपने बेटे रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में सहयोग किया। रिंकू की कामयाबी के बाद भी उन्होंने यह काम नहीं छोड़ा। रिंकू ने खुद शुरुआत में सिलिंडर वितरण के काम में पिता का हाथ बंटाया और गरीबी से लड़ते हुए क्रिकेट के मैदान पर अपनी जगह बनाई। रिंकू सिंह ने हाल के वर्षों में भारतीय क्रिकेट में अपनी एक खास पहचान बनाई है।

# मुंकेश अंबानी के घर से शुरू हुआ अर्जुन तेंदुलकर की शादी का फंक्शन

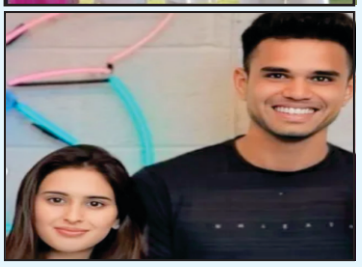

**स्पोर्ट्स डेस्क।** सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी के लिए प्री–वेडिंग फंक्शन शुरू हो गए हैं। इसकी शुरूआत मुकेश अंबानी के जामनगर वाले घर से हुई। अर्जुन सानिया चंडोक से शादी करने वाले हैं, जिनके पिता मुंबई के बड़े बिजनेसमैन हैं। अर्जुन तेंदुलकर की प्री–वेडिंग की शुरूआत वहां से हुई, जहां पर अनंत अंबानी की सबसे चर्चित शादी हुई थी। इस मौके पर पिता सचिन तेंदुलकर ने माइक थामा और खुलकर अपनी बात रखी। अर्जुन के प्री–वेडिंग की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर इस समय धमाल मचा रही हैं। इस दौरान मुकेश अंबानी से लेकर नीता अंबानी तक सभी मौजूद रहे। अर्जुन–सानिया भगवान गणेश से आशीर्वाद लेते हुए दिखाई दिए। बता दें कि हाल ही में सचिन ने कई दिग्गज हस्तियों को शादी का न्योता दिया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे चर्चित रहा था। अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च को होने वाली है।

# भारतीय पुरुष हाकी टीम को भारी पड़ा बढ़त गंवाना

**स्पोर्ट्स डेस्क।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम को आखिरी समय में बढ़त गंवाना भारी पड़ गया। स्पेन के खिलाफ टीम ने अंतिम समय तक बढ़त बनाए रखी थी, लेकिन स्पेन ने वापसी की और फिर शूटआउट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन स्पेन के खिलाफ भी जारी रहा। भारतीय टीम ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और निर्धारित समय में स्कोर 1–1 से बराबर करने में सफल रही। इसके बाद मैच का नतीजा शूटआउट के जरिये निकला जहां स्पेन ने 4–3 से मुकाबला अपने नाम किया। भारत इस समय सात मैच में केवल दो अंक के साथ नौ टीम की प्रतियोगिता में आठवें स्थान पर है।

**भारत ने आखिरी समय में गंवाई बढ़त**

मनिंदर सिंह के गोल से 59वें मिनट तक 1–0 की बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारत ने अंतिम लम्हों में स्पेन को बराबरी का मौका दिया जब ब्रूनो फॉन्ट ने गोल दागकर मैच को शूटआउट में खींच दिया। भारत को सफलता 19वें मिनट में मिली। कप्तान हार्दिक सिंह ने स्पेन के एक खिलाड़ी को पछाड़ते हुए गेंद मनिंदर की ओर बढ़ाई जिन्होंने इसे गोल में पहुंचाकर भारत को 1–0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारतीय टीम 1–0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर के अंत में फोर्टुनो को हरा कार्ड दिखाया गया जिससे मैदान पर स्पेन के 10 खिलाड़ी रह गए। भारत ने 44वें मिनट में इसका फायदा उठाकर बढ़त बना ही ली थी लेकिन कैलजाडो ने पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह के शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही संजय को भी हरा कार्ड मिलने से भारत के भी 10 खिलाड़ी रह गए। लगातार कोशिशों के बीच 59वें मिनट में रक्षात्मक चूक से भारत ने फॉन्ट को गोल करके स्पेन को बराबरी दिलाने का मौका दे दिया।

**अब ऑस्ट्रेलिया से होगा सामना**

शूटआउट में अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल करने से चूक गए जिससे भारत को 3–4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारत को इस मुकाबले से सिर्फ एक अंक मिला। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को होबार्ट चरण के चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत यहां पहले चरण में स्पेन से 0–2 से हार गया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2–2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 4–5 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

# सुजीत कलकल ने बढ़ाया भारत का मान

## यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीता

स्पोर्ट्स डेस्क। अंडर–23 विश्व चौंपियन सुजीत कलकल ने मुहामेट मालो 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। 23 साल के भारतीय पहलवान ने फाइनल में अजरबैजान के राशिद बाबाजादे को 10–0 से हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के नीका जकाशविली को 10–0 से हराने और अल्बानिया के एंड्रियो अवदली पर 16–4 की जीत के साथ अपने कैंपेन की शुरुआत करने के बाद सेमीफाइनल में अमेरिका के दो बार के पैन अमेरिकन चौंपियन जोसेफ मैककेना पर 11–0 से शानदार जीत हासिल की।

**क्रोएशिया में भी जीता था स्वर्ण**

इस महीने की शुरुआत में क्रोएशिया में जाग्रेब ओपन जीतने के बाद, यह 2026 यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में सुजीत का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। सुजीत ने एंड्रियो अवदली पर 16–4 से जीत के साथ वार्म अप किया, जिन्होंने बाउट की शुरुआत में भारतीय खिलाड़ी को चार अंक पर पटक दिया था। नीका जकाशविली (जॉर्जिया) अगले 10–0 से हार गए, इससे पहले सुजीत ने जोसेफ मैककेना (अमेरिका) को 11–0 से हराया, यह स्कोर जाग्रेब ओपन के सेमीफाइनल जैसा ही था।

**10–0 से राशिद को हराकर विजेता बने**

राशिद, जिन्होंने सेमीफाइनल में विटाली अरुजाउ (अमेरिका) के खिलाफ 16–13 से जीत हासिल की थी, वे फाइनल में मुकाबला नहीं कर पाए। सुजीत ने उन्हें 10–0 से हराकर लगातार दूसरा रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक जीता। कुल

मिलाकर, यह यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज सर्किट में सुजीत का चौथा स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने 2022 जैहैर शघायर और 2025 पोलाक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल में टॉप स्थान हासिल किया था। इसी कैटेगरी में हिस्सा ले रहे भारत के मोहित कुमार क्वालिफाइंग राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए। 57 किग्रा श्रेणी में अंकुश और आतिश टोडकर ने कांस्य पदक तक पहुंचने के लिए रेपेचेज में मुकाबला किया, लेकिन अपने–अपने मैचों में हार गए। इस बीच, सुमित (57 किग्रा), राहुल (61 किग्रा), सिद्धार्थ (70 किग्रा), परविंदर (74 किग्रा), और आर्यन (86 किग्रा) अपने–अपने वेट डिवीजन में मेडल राउंड तक पहुंचने में नाकाम रहे। भारत ने मुहामेट मालो 2026 के लिए 48 सदस्यों की कुश्ती टीम भेजी थी, जिसमें पुरुषों की फ्रीस्टाइल, महिलाओं की डिवीजन और ग्रीको–रोमन कैटेगरी में 16–16 लोग शामिल थे।

**दी नेक्स्ट पोस्ट**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

लोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

# प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में गुकेश और नीमन का मैच ड्रा

**स्पोर्ट्स डेस्क।** नीमन ने आक्रामक रुख अपनाया और 13वीं चाल पर ही एक मोहरे का बलिदान कर दिया, जिससे सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद गुकेश बैकफुट पर आ गये। विश्व चौंपियन डी गुकेश ने मिडिल गेम में कुछ तनावपूर्ण क्षणों से गुजरने के बाद प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के पहले दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन के साथ ड्रॉ खेला। गुकेश सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन नीमन ने बर्लिन डिफेंस अपनाया। दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले की यह अच्छी शुरुआत थी।

नीमन ने आक्रामक रुख अपनाया और 13वीं चाल पर ही एक मोहरे का बलिदान कर दिया, जिससे सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद गुकेश बैकफुट

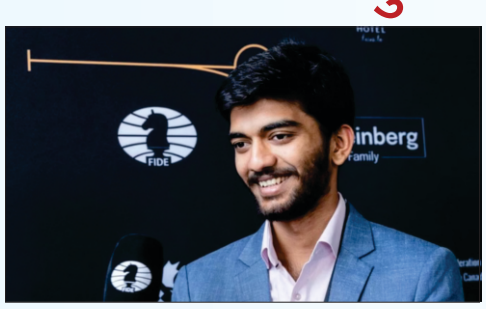

पर आ गये। अमेरिकी खिलाड़ी ने इसके बाद हावी होने की कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने भी अच्छा खेल दिखाया और आखिर में बाजी ड्रॉ करने में सफल रहा। गुकेश को छोड़कर सफेद मोहरों से खेल रहे अन्य खिलाड़ियों ने पहले दौर में जीत हासिल की। भारत के मौजूदा चौंपियन अरविंद चिदंबरम काले मोहरों से खेल रहे थे और उन्हें पहले दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार का सामना करना पड़ा। अब्दुसत्तोरोव के हमनाम और हमवतन नोदिरबेक याकुब्बोएव ने स्पेन के डेविड एंटोन गुज्जरो को जबकि स्थानीय खिलाड़ी नवारा डेविड ने ईरान के परहम मगसूदलू को हराया। चौलेंजर्स वर्ग में महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने हंगरी के शीर्ष वरीयता प्राप्त बेंजामिन ग्लेडुरा के साथ ड्रॉ खेला, लेकिन सूर्य शेखर गांगुली को नीदरलैंड के थॉमस बीर्डसेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा।